प्रश्न- नौवहन उपग्रह प्रणाली से क्या समझते हैं? भारत द्वारा विकसित क्षेत्रीय नौवहन प्रणाली को बताते हुऐ इस तथ्य का मूल्यांकन कीजिये कि क्या यह भारत की तस्वीर बदल देगा?

मॉडल उत्तर

भूमिका में-

- नौवहन उपग्रह प्रणाली के बारे में बताएं।

प्रथम पैराग्राफ में भारतीय क्षेत्रीय नौवहन प्रणाली को बताना है-

- भारत का भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (IRNSS) को नाविक नाम दिया गया।
- ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) द्वारा प्रक्षेपित।
- चार उपग्रह भू-तुल्यकारी और 3 उपग्रह भू-स्थैतिक कक्षा में (कुल 7 उपग्रह)।
- भारत और उसके आसपास 1500 किमी. का क्षेत्रफल कवर।
- दो प्रकार की सेवायें SPS (Standard Positioning System) गैर सैन्य कार्यों (रेंज 20 मीटर) और RS (Ristricted Service) सैन्य कार्यों में (रेंज 5 मीटर)।

द्वितीय पैराग्राफ में मूल्यांकन, कि क्या यह भारत की तस्वीर बदलेगा?

- यह एक स्वदेशी नौवहन प्रणाली हैं।
- दूसरे देशों पर निर्भरता कम हुई हैं।
- सैन्य एवं गैर सैन्य दोनों क्षेत्रों में उपयोग।
- अन्य पड़ोसी देशों को नौवहन सुविधा उपलब्ध कराकर धन का अर्जन और बेहतर कूटनीतिक संबंध।
- ट्रैफिक प्रबंधन में सहयोग।
- प्रयोगकर्त्ता के लिए नेविगेशन का कार्य करना।
- इससे देश में प्रशासन करना आसान होगा।

नये पैराग्राफ से सीमायें-

- नाविक का कवर क्षेत्र सीमित है (1500 किमी)।
- तकनीकी रूप से बनाये रखना खर्चीला (हाल में ही घड़ी खराब होना)।
- ज्यादातर मोबाइल कम्पनियाँ विदेशों की हैं तो वह नाविक क्षेत्रीय नेवीगेशन को अपनाने से बचेंगी।

अंत में संक्षिप्त एवं संतुलित निष्कर्ष दें-